No. of Printed Pages : 6

BPYC-132

B. A. (GENERAL) PHILOSOPHY (BAG)

Term-End Examination

December, 2022

BPYC-132 : ETHICS

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Answer all the **five** questions. All questions carry equal marks. Answer to Question Nos. **1** and **2** should be in about **400** words each.*

1. Do you agree that moral action involves freedom/autonomy ? Discuss the role of free will in moral behaviour. 20

Or

Write an essay on moral relativism.

2. Discuss the relation between religion and ethics. What are the views of Hinduism, Buddhism, Jainism, Islam and Christianity on moral action ? 20

Or

What is the categorical imperative ? Critically appraise Kant's deontological ethics.

P. T. O.

3. Answer any *two* of the following questions in about **200** words each : 10 each

   (a) Write an essay on the concept of virtue as discussed by Socrates and Aristotle.

   (b) Discuss the role of reason and emotion in morality.

   (c) Elaborate J. S. Mill's utilitarianism.

   (d) What is naturalistic fallacy ? Explain in detail.

4. Answer any *four* of the following questions in about **150** words each : 5 each

   (a) Why should we be moral ?

   (b) Describe the ethical principles of Buddhist moral philosophy.

   (c) What do you mean by the Socratic dictum of 'Virtue is Knowledge' ?

   (d) Distinguish between determinism and indeterminism.

   (e) What is the role of human dignity in morality ?

   (f) Write a note on the idea of Christian vices.

5. Write short notes on any *five* of the following in about **100** words each : 4 each

   (a) Cardinal Virtues

(b) Metaethical Relativism

(c) Voluntary action

(d) Nishkama Karma

(e) Practical Reason

(f) Ashtangik Marga (Eight-fold Path)

(g) Hypothetical Imperative

(h) Ethical Egoism

BPYC-132

बी. ए. (सामान्य) दर्शनशास्त्र (बी. ए. जी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2022

बी.पी.वाई.सी.-132 : नीतिशास्त्र

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *सभी* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। प्रश्न संख्या* ***1*** *और* ***2*** *में प्रत्येक का उत्तर लगभग* ***400*** *शब्दों में दीजिए।*

1. क्या आप मानते हैं कि नैतिक क्रिया के लिए स्वतन्त्रता/स्वायत्तता का होना अनिवार्य है ? नैतिक व्यवहार में स्वतन्त्र-संकल्प की भूमिका पर चर्चा कीजिए। 20

अथवा

नैतिक सापेक्षतावाद पर एक निबन्ध लिखिए।

2. धर्म एवं नीतिशास्त्र के मध्य सम्बन्ध पर चर्चा कीजिए। नैतिक कर्म के सम्बन्ध में हिन्दू धर्म, बौद्ध धर्म, जैन धर्म, इस्लाम और ईसाई धर्म के क्या विचार हैं ? 20

अथवा

निरपेक्ष आदेश क्या है ? काण्ट के कर्तव्यमूलक नीतिशास्त्र का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

3. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **200** शब्दों में दीजिए : प्रत्येक 10

   (a) सुकरात एवं अरस्तू के अनुसार सद्‌गुण की अवधारणा पर निबन्ध लिखिए।

   (b) नैतिकता में तर्क एवं भावनाओं की भूमिका पर चर्चा कीजिए।

   (c) जे. एस. मिल के उपयोगितावाद को स्पष्ट कीजिए।

   (d) प्राकृतिक दोष क्या है ? विस्तार से व्याख्या कीजिए।

4. किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **150** शब्दों में दीजिए : प्रत्येक 5

   (a) हमें नैतिक क्यों होना चाहिए ?

   (b) बौद्ध धर्म के नीति दर्शन के नैतिक सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए।

   (c) सुकरात के कथन 'सद्‌गुण ज्ञान है' से आप क्या समझते हैं ?

   (d) निर्धारणवाद एवं अनिर्धारणवाद के मध्य अन्तर कीजिए।

(e) नैतिकता में मानव गरिमा की भूमिका क्या है ?

(f) ईसाई धर्म के अनुसार अवगुण के प्रत्यय पर टिप्पणी लिखिए।

5. किन्हीं **पाँच** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए। प्रत्येक टिप्पणी लगभग **100** शब्दों में हो : प्रत्येक 4

(a) प्रधान सद्‌गुण

(b) अधिनीतिशास्त्रीय सापेक्षतावाद

(c) ऐच्छिक कर्म

(d) निष्काम कर्म

(e) व्यावहारिक बुद्धि

(f) आष्टांगिक मार्ग

(g) सापेक्ष आदेश

(h) नैतिक अहंवाद